Worksheet - 17 Subject: - Hindi कक्षा - आठ Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 29.05.2020

तेनालीराम की चतुराई के अनेक किस्से प्रसिद्ध हैं कहा जाता है कि एक बार राजा किसी कारण तेनालीराम से नाराज हो गए। उन्होंने तेनालीराम को दरबार में बुलाया और क्रोध भरे स्वर में कहा —"तेनालीराम तुम दरबार से चले जाओ और अब मुझे अपना मुँह न दिखाना।" अगले ही दिन तेनालीराम दरबार में उपस्थित हुए। लेकिन उनका मुँह नकली चेहरे से ढका हुआ था। उन्हें देखकर सभी दरबारी हँसने लगे। राजा की भी दृष्टि उन पर गई, तो वे नाराज होकर बोले —मैंने तुम्हे मुँह न दिखाने का आदेश दिया था, तुम फिर आ गए! यह सुनकर तेनालीराम ने नम्रतापूर्वक कहा —"महाराजा मैंने तो आपके आदेश का पूरा-पूरा पालन किया है। यह देखिए, मुँह पर नकली चेहरा लगाकर आया हूँ, जिससे आप मेरा मुँह न देख सकें।" यह सुनकर सभी दरबारी खिलखिला कर हँस पड़े। राजा भी अपनी हँसी को नहीं रोक पाए और उनका क्रोध शांत हो गया।

प्रश्न : (क) तेनालीराम किस राजा के दरबार में था?
(ख) राजा ने तेनालीराम से क्या कहा?
(ग) तेनालीराम कैसे दरबार में आया?
(घ) "अपना मुँह न दिखाओ" मुहावरे का अर्थ लिखिए।
(ङ) गद्यांश का शीर्षक दें।

उत्तर : (क) तेनालीराम राजा कृष्णदेव के दरबार में थे।
(ख) राजा ने तेनालीराम से दरबार से चले जाने को तथा अपना मुँह न दिखाने को कहा।
(ग) तेनालीराम अपना मुँह नकली चेहरे से ढक कर दरबार में आऐ।
(घ) सामने से चले जाओ।
(ङ) तेनालीराम की चतुराई।

पुस्तकालय हमारे हृदय को विशाल और उन्नत बनाता है। यहाँ पुस्तकों की संगति और सूचनाओं से हमारे मन में ज्ञान के नए-नए फूल खिलते हैं, हमें देश-विदेश की नई-पुरानी बातें सीखने को मिलती हैं। पुस्तकालय में कीमती पुस्तकें भी रहती हैं जिन्हें साधारण लोग नहीं खरीद पाते। यहाँ कम-से-कम खर्च में कीमती किताबें पढ़ लेते हैं। पुस्तकालय से अशिक्षा और निरक्षरता दूर होती है। पास-पड़ोस के जो लोग दूसरों को पुस्तकालय में पढ़ते देखते हैं, वे भी पढ़ाई की तैयारी करने लगते हैं। इस प्रकार अनपढ़ लोगों को भी लाभ पहुँचता है। कुछ लोग मनोरंजन के लिए भी पुस्तकालय में जाते हैं। लेकिन यहाँ का मनोरंजन अध्ययन के आनंद का मनोरंजन है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पुस्तकालय मनुष्य के चरित्र का निर्माण करता है और हमें इस तरह से लाभ पहुँचाता है।

प्रश्न : (क) पुस्तकालय के क्या-क्या लाभ हैं ?
(ख) पुस्तकालय अनपढ़ लोगों के लिए किस प्रकार लाभकारी है ?
(ग) पुस्तकालय से चरित्र पर क्या प्रभाव पड़ता है?
(घ) साधारण लोगों के लिए पुस्तकालय किस प्रकार लाभकारी है?
(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

उत्तर: (क) पुस्तकालय हमारे हृय को विशाल तथा जीवन को उन्नत बनाता है। यह देश-विदेश की नई-पुरानी बातों के साथ-साथ कम खर्च में कीमती पुस्तकें उपलब्ध कराता है।

(ख) पास-पड़ोस के लोगों को पढ़ता देखकर अशिक्षित लोग भी पढ़ने की तैयारी करते हैं।

(ग) पुस्तकालय मनुष्य के चरित्र का निर्माण कर लाभ पहुँचाता है।

(घ) साधारण लोग जिन कीमती पुस्तकों को खरीद नहीं पाते वे पुस्तकालय में उपलब्ध हो जाती हैं।

(ङ) शीर्षक - जीवन में पुस्तकालय का महत्त्व